# ई-माहिती

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, गुजरात की त्रैमासिक ई - गवर्नेंस पत्रिका

जुलाई - सितंबर 2025

Vibrant GUJARAT 10-12 Jan 2024
Gateway to the Future | 10th Global Summit

mygov मेरी सरकार

G20 भारत 2023 INDIA

Digital India Power To Empower

## अटल ब्रिज - अहमदाबाद

### MedLEaPR Gujarat

मेडलीपार (मेडिको-लीगल जाँच और पोस्टमार्टम रिपोर्टिंग प्रणाली) भारतीय राज्यों में चिकित्सा-कानूनी रिपोर्टिंग प्रक्रिया को आधुनिक बनाने के लिए एक केंद्रीकृत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है।

एनआईसी NIC

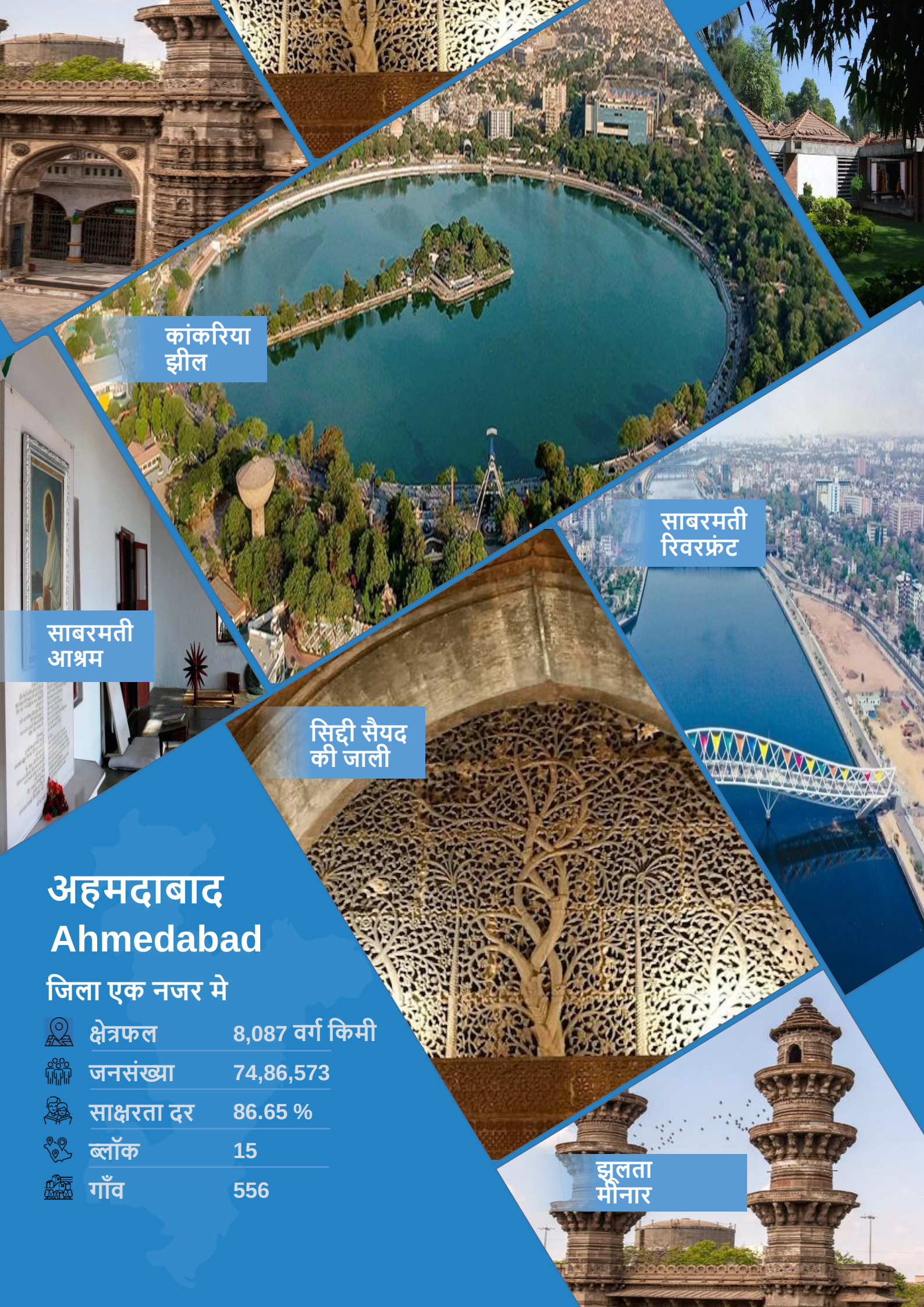


# अहमदाबाद
# Ahmedabad

## जिला एक नजर मे

| | |
|---|---|
| क्षेत्रफल | 8,087 वर्ग किमी |
| जनसंख्या | 74,86,573 |
| साक्षरता दर | 86.65 % |
| ब्लॉक | 15 |
| गाँव | 556 |

## अनुक्रमणिका

समृद्ध गुजरात 2025 02
माननीय प्रधानमंत्री की गुजरात यात्रा 04
गामतल शुभारंभ 05
मेडलीपार 06
राष्ट्रीय गतिशीलता शिखर सम्मेलन 2025 07
माननीय मुख्य सचिव द्वारा शुभकामनायें 08

## संपादकीय :

### संरक्षक

**श्री प्रमोद कुमार सिंह**
वैज्ञानिक-जी एवं राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी
गुजरात

### संपादकीय टीम

**श्री शैलेष खणेशा**
वैज्ञानिक-डी

**श्री कुणाल देराश्री**
वैज्ञानिक-सी

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र
गुजरात राज्य केंद्र
ब्लॉक 13, द्वितीय तल, सरदार भवन
गांधीनगर, गुजरात 382010

: sio-guj@nic.in

: https://guj.nic.in

## एनआईसी, गुजरात के सेवानिवृत्त अधिकारीयों का विवरण

**श्री इब्राहिम ए. बादी**
पूर्व वैज्ञानिक-एफ एवं डीआइओ
कर्मचारी कोड: 2963
एनआईसी, पोरबंदर जिला केंद्र, गुजरात।
एनआईसी में कार्यभार ग्रहण तिथि: 24/07/1989
सेवानिवृत्ति तिथि: 31/07/2025



**श्री मेघ नाथ कश्यप**
पूर्व वैज्ञानिक-ई एवं डीआइओ
कर्मचारी कोड: 3160
एनआईसी, वडोदरा जिला केंद्र, गुजरात
एनआईसी में कार्यभार ग्रहण तिथि: 01/07/1991
सेवानिवृत्ति तिथि: 31/08/2025

## ई-गवर्नेंस परियोजनाओं का

# समृद्ध गुजरात 2025

## अहमदाबाद में प्रदर्शन

**नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी), गुजरात ने "समृद्ध गुजरात 2025"** कार्यक्रम में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम **3 - 5 जुलाई 2025** तक **अहमदाबाद** के सरदार पटेल सेवा समाज में आयोजित किया गया था।

सांसा फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस इवेंट का उद्देश्य लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देना था, इसमें आईटी और तकनीकी आधारित नागरिक केंद्रित सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया गया था।

**एनआईसी, गुजरात** ने अपने अग्रणी ई-गवर्नेंस और डिजिटल परिवर्तन नवाचारों का प्रदर्शन किया और खूब सराहना बटोरी। **इसरो और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार** जैसे कई प्रमुख संस्थानों के स्टॉलों के बीच एनआईसी का स्टॉल एक मुख्य आकर्षण का केंद्र था।

इसका मुख्य आकर्षण एनआईसी द्वारा विकसित नागरिक-केंद्रित आईटी समाधानों का सीधा प्रदर्शन था, जिसे दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

## नवाचार का प्रदर्शन

**एनआईसी, गुजरात के एसआईओ, श्री प्रमोद कुमार सिंह** के मार्गदर्शन में, अधिकारियों की एक समर्पित टीम ने गुजरात की डिजिटल प्रगति को व्यापक रूप से प्रस्तुत करने के लिए अथक प्रयास किया।

स्टॉल में एक दर्जन से अधिक प्रमुख परियोजनाओं की इंटरैक्टिव जानकारी दी गई, जिन्हें नागरिकों के लिए सरकारी सेवाओं को सरल बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

एनआईसी, गुजरात की भागीदारी की सफलता को समापन समारोह में और भी बल मिला, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में माननीय सांसद श्री दिनेश मकवाना उपस्थित थे।

एनआईसी को **सूचना प्रौद्योगिकी में सर्वश्रेष्ठ स्टॉल** का पुरस्कार दिया गया, जिसने प्रदर्शनी में उसके अभिनव योगदान और प्रभावशाली उपस्थिति को मान्यता दी गई।

**ई-काउंसलिंग:** विश्वविद्यालय और कॉलेज में प्रवेश के प्रबंधन के लिए एक डिजिटल प्रणाली।

**माई राशन:** एक मोबाइल ऐप जो वास्तविक समय के अपडेट के साथ राशन वितरण को सरल बनाता है।

**आरटीओ परिवहन और ई-चालान:** वाहन पंजीकरण, ड्राइविंग लाइसेंस और सड़क दुर्घटना डेटा के लिए एक ऑल-इन-वन डिजिटल प्लेटफॉर्म।

**गरवी (GARVI) और आईओआरए (iORA) :** संपत्ति पंजीकरण और भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन के लिए डिजिटाइज्ड और पेपरलेस सिस्टम।

**ओजस (OJAS):** गुजरात में सरकारी भर्तियों के लिए एक ऑनलाइन नौकरी आवेदन पोर्टल।

**डिजिटल गुजरात:** 300 से अधिक नागरिक सेवाएं प्रदान करने वाला एक एकीकृत मंच।

**ई-ओलख (e-OLAKH):** जन्म और मृत्यु के पंजीकरण के लिए एक मंच।

**स्वागत (SWAGAT):** एक पुरस्कार विजेता सार्वजनिक शिकायत निवारण प्रणाली।

**मुख्यमंत्री मातृशक्ति योजना:** गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं को निःशुल्क भोजन प्रदान करने की प्रणाली।

**आईटीआई प्रवेश (ITI Admission):** औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश को सुव्यवस्थित करने के लिए एक पोर्टल।

## माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गुजरात यात्रा में एनआईसी की भूमिका

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 25-26 अगस्त 2025 को हुई दो दिवसीय गुजरात यात्रा एक महत्वपूर्ण घटना थी, जिसकी पहचान **अहमदाबाद के खोडलधाम मैदान में 5,400 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के उद्घाटन** और शिलान्यास किया गया।

इस यात्रा का एक मुख्य आकर्षण हंसलपुर में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड के स्थानीय उत्पादन का उद्घाटन और बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्यात को हरी झंडी दिखाना था।

इन हाई-प्रोफाइल कार्यक्रमों का सफल संचालन **नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी)** द्वारा प्रदान किए गए बैकएंड सपोर्ट के कारण संभव हो सका।

एनआईसी के अहमदाबाद और मेहसाणा जिला कार्यालयों ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के साथ मिलकर आवश्यक डिजिटल बुनियादी ढांचा स्थापित करने का काम किया। इसमें पीएमओ के ऑन-साइट तकनीकी सेटअप को स्थापित करना और अहमदाबाद से नई रेलवे लाइनों और अन्य विद्युतीकरण परियोजनाओं के वर्चुअल उद्घाटन के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना शामिल था।

# गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल द्वारा "गामतल" रूपांतरण सेवा का शुभारंभ

गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल ने 7 अगस्त 2025 को ग्रामीण क्षेत्रों में बेघर नागरिकों हेतु **गामतल रूपांतरण सेवा** का iORA पोर्टल पर शुभारंभ किया।

इस अवसर की शोभा माननीय **कृषि मंत्री श्री राघवजी पटेल, गुजरात सरकार के मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, आई.ए.एस., पंचायत सचिव श्री मिलिंद तोरवणे, आई.ए.एस., तथा विकास आयुक्त श्री हितेश कोया, आई.ए.एस.** की गरिमामयी उपस्थिति से बढ़ी।

यह सेवा **iORA (इंटीग्रेटेड ऑनलाइन रेवेन्यू एप्लिकेशन)** पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है, जिसे राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, गुजरात द्वारा डिजाइन एवं विकसित किया गया है।

यह सेवा राजस्व एवं पंचायत विभागों के प्रशासन को जिला कलेक्टर, जिला विकास अधिकारी, उप प्रभागीय मजिस्ट्रेट, मामलतदार एवं तालुका विकास अधिकारी जैसे विभिन्न प्राधिकरणों के माध्यम से भूमि आवंटन प्रक्रियाओं को सरल और सुगम बनाने में सहायक होगी।

- भूमि प्लॉट के आवंटन की प्रक्रिया आगे चलकर ड्रा सॉफ्टवेयर के माध्यम से भी की जाएगी, जिसे एन.आई.सी. गुजरात द्वारा विकसित किया गया है।
- विकास आयुक्त श्री हितेश कोया, आई.ए.एस. ने समयसीमा में ऑनलाइन एप्लिकेशन को विकसित करने हेतु एन.आई.सी. गुजरात टीम के प्रयासों की सराहना की।

## आईसीटी सक्षम एकीकृत न्याय वितरण प्रणाली की ओर पहला कदम

# मेडिको-लीगल जाँच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्रणाली

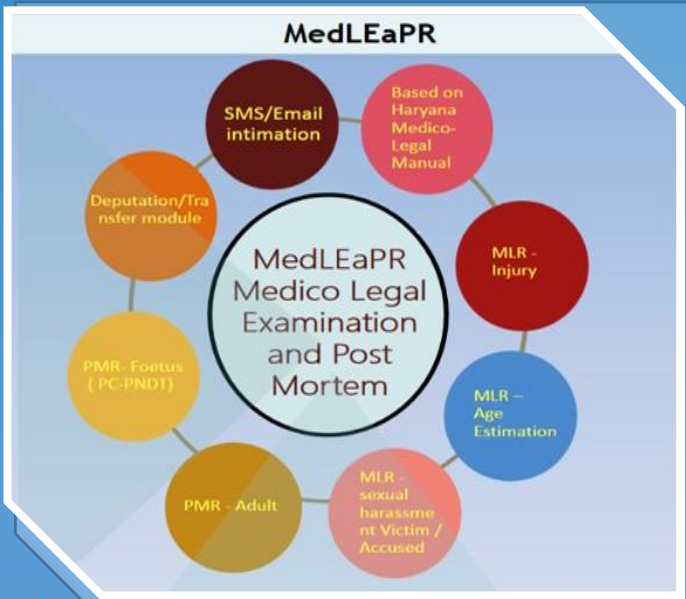


यह एक केंद्रीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसका उद्देश्य चिकित्सकीय-वैधानिक प्रतिवेदनों के निर्माण एवं प्रबंधन की प्रक्रिया को आधुनिकीकरण तथा सुव्यवस्थित करना है।

यह प्रणाली प्रतिवेदन प्रक्रिया का मानकीकरण करती है, जिसमें पारंपरिक हस्तलिखित दस्तावेज़ों को प्रतिस्थापित कर सुरक्षित डिजिटल प्रणाली के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है, जिसके अंतर्गत पोस्टमार्टम (PM), चोट, आयु, यौन उत्पीड़न तथा मृत्यु सारांश प्रतिवेदन सम्मिलित हैं।

यह प्रणाली कार्यप्रवाह पर आधारित है, जो संबंधित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य संस्थानों की भूमिकाओं और उत्तरदायित्वों के आधार पर आवश्यक अभिगम सुरक्षा प्रदान करती है।

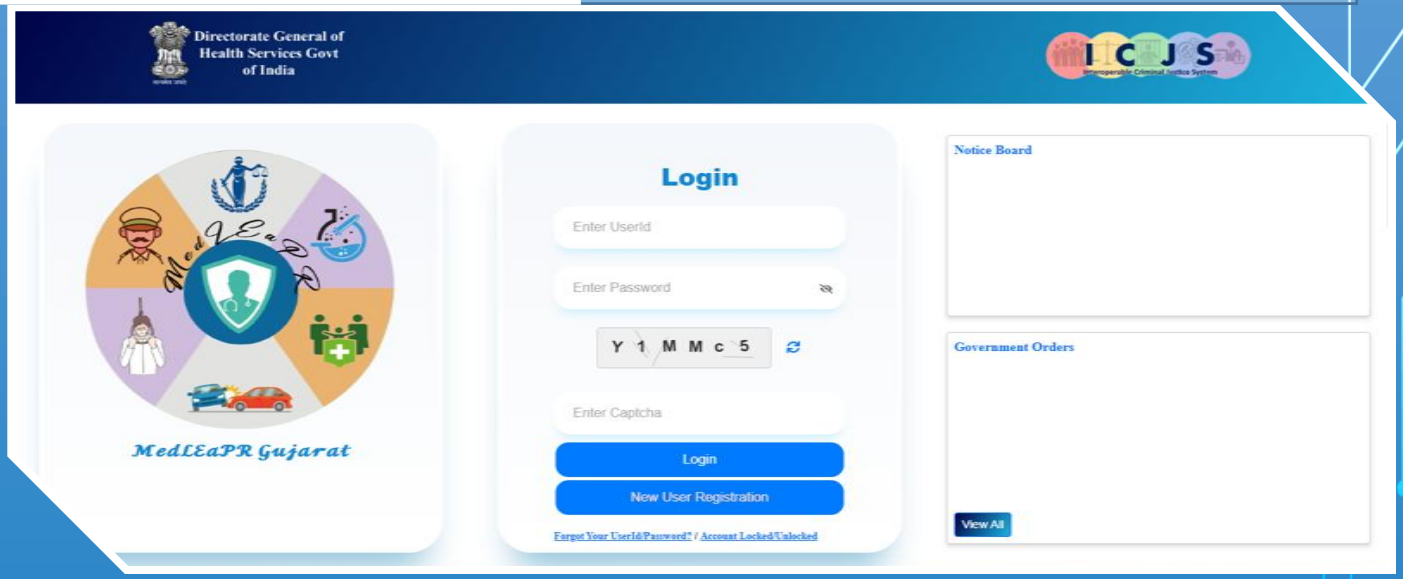


गृह मंत्रालय तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुरूप विकसित यह प्रणाली, पोस्टमार्टम, चोट, आयु, यौन उत्पीड़न एवं मृत्यु सारांश प्रतिवेदनों जैसे दस्तावेज़ों के निर्माण और प्रस्तुतिकरण की प्रक्रिया को मानकीकृत एवं डिजिटलीकृत करती है।

- स्वास्थ्य विभाग, गुजरात सरकार तथा एनआईसी, गुजरात की तकनीकी टीम राज्य के स्वास्थ्य संस्थानों में मेडलीपार परियोजना के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी हैं। स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव श्री धनंजय द्विवेदी ने राज्य में इसके सुचारू कार्यान्वयन के लिए एप्लीकेशन में कई अद्यतनीकरण के सुझाव दिए हैं।
- वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से तीन अलग-अलग प्रशिक्षण सत्रों में 1100 से अधिक चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ को प्रशिक्षित किया गया है।
- मेडलीपर परियोजना 25/08/2025 से लाइव है और अधिकांश सरकारी डॉक्टरों ने एमएलसी/पीआर मामलों को ऑनलाइन अपलोड करना शुरू कर दिया है।

एस.आई.ओ. गुजरात की पैनल सदस्य के रूप में भागीदारी

# राष्ट्रीय गतिशीलता पुरस्कार और शिखर सम्मेलन 2025

गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम (जीएसआरटीसी) ने गांधीनगर के गिफ्ट सिटी में राष्ट्रीय गतिशीलता पुरस्कार और शिखर सम्मेलन 2025 का आयोजन किया। इस सम्मेलन का निम्न विषय था।

**"भविष्य की गतिशीलता में तेजी: हरित, एकीकृत और डिजिटल रूप से संचालित"।**

इसका उद्देश्य भारत के परिवहन क्षेत्र को अधिक कुशल, समावेशी और जलवायु-अनुकूल बनाना था। इस शिखर सम्मेलन में भारत में टिकाऊ, नागरिक-केंद्रित सार्वजनिक परिवहन में अग्रणी के रूप में गुजरात की भूमिका को प्रदर्शित किया गया। इस शिखर सम्मेलन में 12 राज्यों ने भाग लिया।

गुजरात सरकार के बंदरगाह एवं परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव, श्री आर. सी. मीणा ने राष्ट्रीय गतिशीलता शिखर सम्मेलन 2025 का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में पैनल चर्चाएँ, प्रस्तुतियाँ और सत्र आयोजित किए गए, जिनमें ईवी अवसंरचना, एआई आधारित बेड़ा प्रबंधन, डिजिटल टिकटिंग, सड़क सुरक्षा आदि पर ध्यान केंद्रित किया गया।

सड़क सुरक्षा - सुरक्षित चालक, सुरक्षित सड़कें: सुरक्षा संस्कृति का समावेश विषय पर एक पैनल चर्चा हुई, जिसमें श्री रवि तेजा वाससेट्टी, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, गांधीनगर, श्री सतीश पटेल, आईएएस (सेवानिवृत्त), आयुक्त, गुजरात सड़क सुरक्षा प्राधिकरण और श्री प्रमोद कुमार सिंह, उपमहानिदेशक एवं एसआईओ, एनआईसी सदस्य के रूप में शामिल थे।एसआईओ श्री पी. के. सिंह ने एनआईसी/भारत सरकार की आईटी पहलों के बारे में बताया। उन्होंने भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ई-चालान और आईआरएडी/ईडीएआर परियोजना पर संक्षेप में चर्चा की। उन्होंने विभिन्न पहलुओं और इन आईटी पहलों की सड़क सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में भी बताया।

# गुजरात सरकार के मुख्य सचिव,
# श्री पंकज जोशी [ आई.ए.एस. ]
## ने निक्सी को उसकी 30वीं वर्षगांठ पर पत्र के माध्यम से बधाई दी।

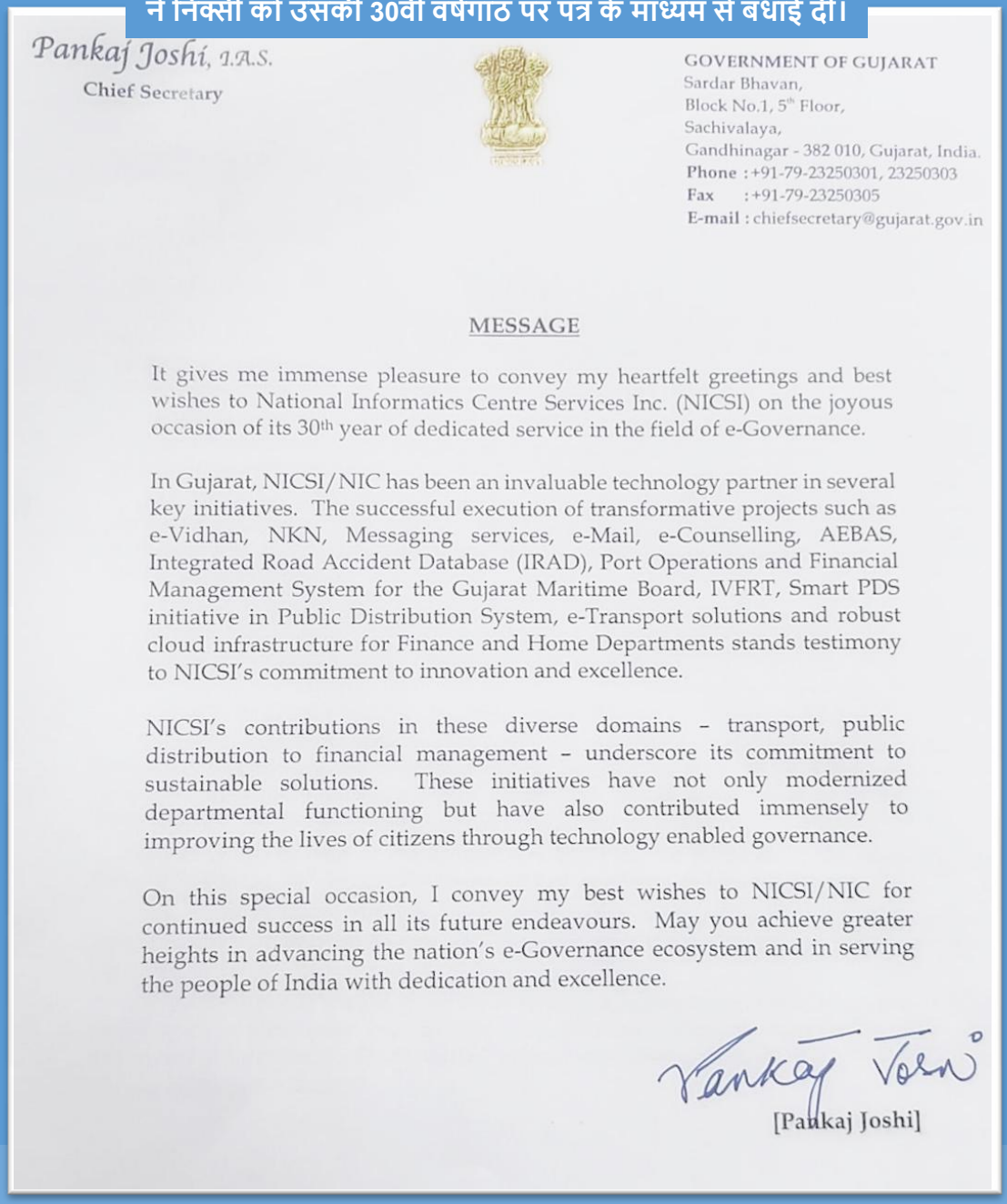

Pankaj Joshi, I.A.S.
Chief Secretary

GOVERNMENT OF GUJARAT
Sardar Bhavan,
Block No.1, 5th Floor,
Sachivalaya,
Gandhinagar - 382 010, Gujarat, India.
Phone : +91-79-23250301, 23250303
Fax : +91-79-23250305
E-mail : chiefsecretary@gujarat.gov.in

MESSAGE

It gives me immense pleasure to convey my heartfelt greetings and best wishes to National Informatics Centre Services Inc. (NICSI) on the joyous occasion of its 30th year of dedicated service in the field of e-Governance.

In Gujarat, NICSI/NIC has been an invaluable technology partner in several key initiatives. The successful execution of transformative projects such as e-Vidhan, NKN, Messaging services, e-Mail, e-Counselling, AEBAS, Integrated Road Accident Database (IRAD), Port Operations and Financial Management System for the Gujarat Maritime Board, IVFRT, Smart PDS initiative in Public Distribution System, e-Transport solutions and robust cloud infrastructure for Finance and Home Departments stands testimony to NICSI's commitment to innovation and excellence.

NICSI's contributions in these diverse domains - transport, public distribution to financial management - underscore its commitment to sustainable solutions. These initiatives have not only modernized departmental functioning but have also contributed immensely to improving the lives of citizens through technology enabled governance.

On this special occasion, I convey my best wishes to NICSI/NIC for continued success in all its future endeavours. May you achieve greater heights in advancing the nation's e-Governance ecosystem and in serving the people of India with dedication and excellence.

Pankaj Joshi

[Pankaj Joshi]

- उन्होंने राज्य की ई-शासन पहलों में एक महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी भागीदार के रूप में निक्सी और एनआईसी की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की।
- पत्र में विशेष रूप से ई-विधान, स्मार्ट पीडीएस और इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डेटाबेस (आईआरएडी) जैसी प्रमुख परियोजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन की सराहना की ।
- मुख्य सचिव के संदेश ने इस बात पर जोर दिया कि इन परियोजनाओं ने न केवल सरकारी कार्यों का आधुनिकीकरण किया है, बल्कि नागरिकों के जीवन को भी उल्लेखनीय रूप से बेहतर बनाया है।

# INDEX


| | |
|---|---|
| Samridh Gujarat 2025 | 02 |
| Hon'ble PM Sir Gujarat Visit | 04 |
| GAMTAL Inauguration | 05 |
| MedLEaPR | 06 |
| National Mobility Summit 2025 | 07 |
| Appreciation by CS Govt. of Gujarat | 08 |


## Editorial:

## Patron:

**Shri Pramod Kumar Singh**
Scientist-G & State Informatics Officer
Gujarat

## Editorial Team :

**Shri Shailesh Khanesha**
Scientist-D

**Shri Kunal Derashri**
Scientist-C


**National Informatics Centre**
**Gujarat State Centre**
**Block 13, 2nd Floor, Sardar Bhavan**
**Gandhinagar, Gujarat 382010**

: sio-guj@nic.in

: https://guj.nic.in


## Retired Officer of NIC Gujarat

**Shri Ibrahim A. Badi**
Former Scientist-F & DIO
Staff Code: 2963
NIC, Porbandar District Centre, Gujarat.
Date of joining NIC: 24/07/1989
Date of retirement: 31/07/2025

**Shri Megh Nath Kashyap**
Former Scientist-E & DIO
Staff Code: 3160
NIC, Vadodara District Centre, Gujarat
Date of joining NIC: 01/07/1991
Date of retirement: 31/08/2025

# E-Governance Projects Showcased at Samridh Gujarat 2025 Ahmedabad

**The National Informatics Centre (NIC), Gujarat, made a significant impact at the "Samridh Gujarat 2025"** event, a three-day exhibition held from **3-5 July 2025 at the Sardar Patel Seva Samaj at Ahmedabad**.

The event was organized by the Sansa Foundation, the aim was to educate the public on a variety of government digital initiatives, with a special focus on IT and technological advancements for citizen centric services.

NIC, Gujarat, actively showcased its pioneering e-Governance and digital transformation initiatives, earning widespread acclaim. The NIC stall emerged as a key attraction along side other notable institutions like **ISRO and the Department of Health and Family Welfare, Govt. of India.**

The highlight was NIC's live demonstrations of its citizen-centric IT solutions, which drew an overwhelmingly positive response from visitors.

**Under the guidance of Shri Pramod Kumar Singh, SIO, NIC Gujarat**, a dedicated team of officers worked tirelessly to present a comprehensive look at the state's digital progress.

The stall provided interactive insights into a dozen key projects, all designed to simplify government services for citizens.

The success of NIC, Gujarat's participation was further solidified at the closing ceremony, which was graced by Chief Guest Shri Dinesh Makwana, Hon'ble Member of Parliament.

NIC was awarded the **"Best Stall in Information Technology"** recognizing its innovative contributions and impactful presence at the exhibition.

**My Ration:** A mobile app that simplifies ration delivery with real-time updates.

**RTO Parivahan and e-Challan:** An all-in-one digital platform for vehicle registration, driving licenses, and road accident data.

**GARVI & iORA:** Digitized and paperless systems for property registration and land record management.

**OJAS:** An online job application portal for government recruitments in Gujarat.

**Digital Gujarat:** A unified platform offering more than 300 citizen services.

**e-OLAKH:** A platform for registering births and deaths.

**SWAGAT:** An award-winning public grievance redressal system.

**Mukhyamantri Matrushakti Yojana:** A system to provide free food to pregnant and lactating mothers.

**ITI Admission:** A portal to streamline admissions to Industrial Training Institutes.

## NIC's Role in Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi Gujarat Visit

Prime Minister Shri Narendra Modi's two-day visit to Gujarat on 25-26 2025 August was a significant event, marked by the inauguration and laying of **foundation stones for projects worth Rs 5,400 crores at Khodaldham ground, Ahmedabad**

A key highlight was the inauguration of localized production of hybrid battery electrodes and the flagging off of Battery Electric Vehicle exports at Hansalpur.

The seamless execution of these high-profile events was made possible by the dedicated **ICT support provided by National Informatics Centre (NIC)**.

NIC's Ahmedabad and Mehsana district offices worked in close coordination with the Prime Minister's Office (PMO) to establish the necessary digital infrastructure.

This included setting up the PMO's on-site technical setup and ensuring flawless connectivity for the virtual inauguration of new railway routes and other electrification projects from Ahmedabad

## Hon’ble Chief Minister of Gujarat Shri Bhupendra Bhai Patel inaugurated “Gamtal” conversion service.

**Shri Bhupendra Bhai Patel, Hon’ble Chief Minister of Gujarat inaugurated “Gamtal”** conversion Service for the homeless citizen in the villages on 7th August 2025 on iORA portal.

The Occasion was graced by the esteemed presence of Hon’ble **Minister of Agriculture Shri Raghavji Patel, Shri Pankaj Joshi, IAS & Chief Secretary Government of Gujarat, Shri Milind Torvane, IAS & Secretary Panchayat and Shri Hitesh Koya, IAS & Development Commissioner.**

The service is made on **iORA (Integrated Online Revenue Application) portal,** Designed and Developed by National Informatics Centre, Gujarat.

The service will help both Revenue & Panchayat Department's administration for the seamless land allotment processes through various authorities like District Collector, District Development Officer, Sub Divisional Magistrate, Mamlatdar and Taluka Development Officer.

- In future Plot allotment process will also be done by Draw software developed by NIC Gujarat.
- Shri Hitesh Koya, IAS, Development Commissioner lauded efforts behind the timely development of online application by NIC-Gujarat Team on iORA Portal.

## MedLEaPR

### FIRST STEP TOWARDS ICT ENABLED INTEGRATED JUSTICE DELIVERY SYSTEM

# Medico Legal Examination and Postmortem Reports System

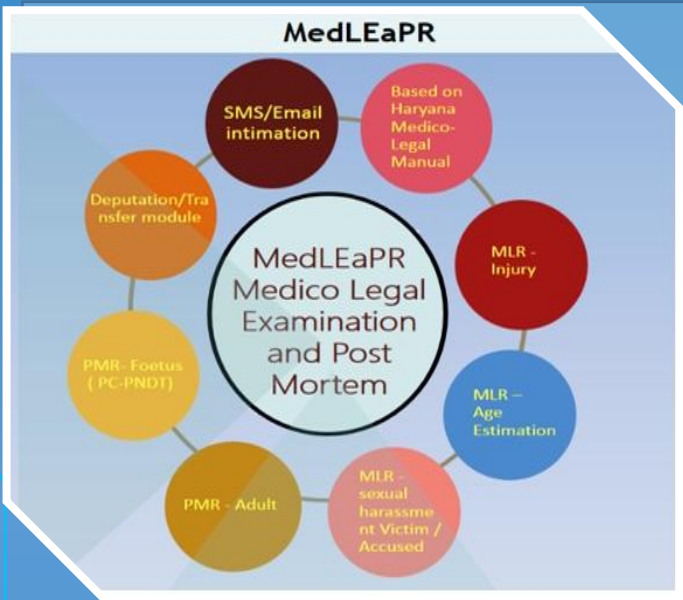


This is a centralized digital platform to modernize and streamline the process of creating and managing medico-legal reports.

It standardizes the reporting process, replacing traditional handwritten documents with a secure digital system such as Postmortem (PM), Injury, Age, Sexual Assault, and Death Summary reports.

The system is workflow based, which provides requisite access security, based on roles & responsibilities of concerned Doctors and Health Institutes.

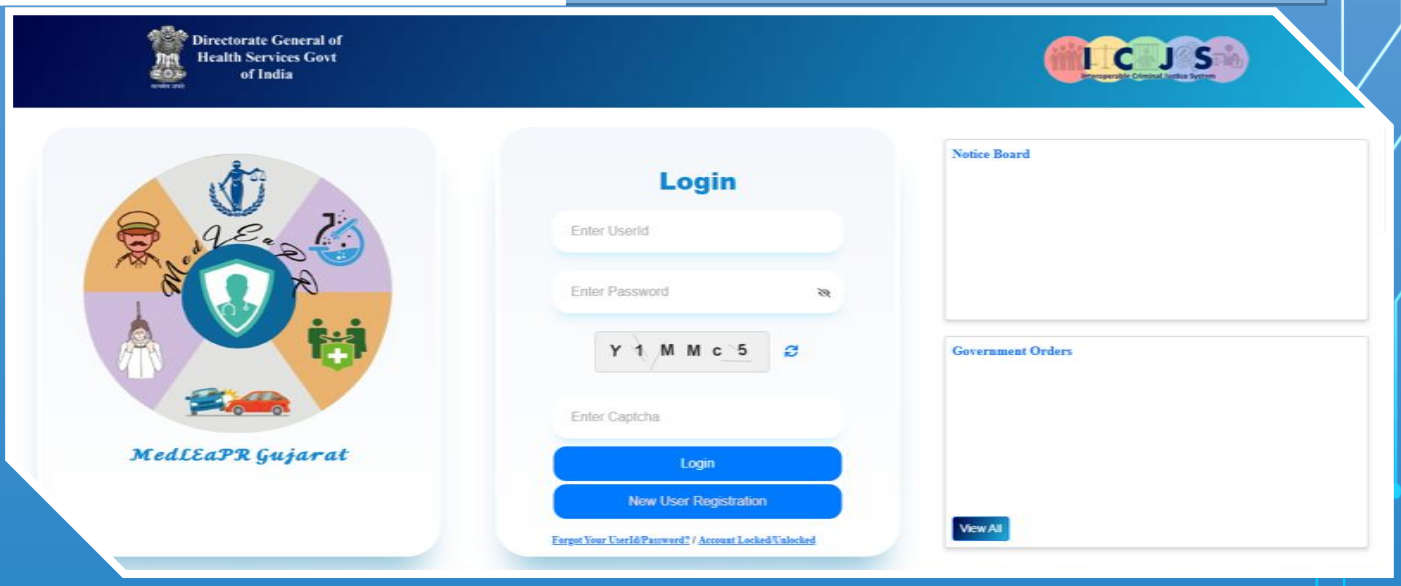


Developed in line with directives from the Ministry of Home Affairs and the Ministry of Health and Family Welfare, GOI it standardizes and digitizes the creation and submission of reports such as Postmortem (PM), Injury, Age, Sexual Assault, and Death Summary reports.

- Health Department, Government of Gujarat and NIC Gujarat technical team are the nodal agency for implementation of MedLeapr Project across the Health Institutes in the State. Principal Secretary, Health Department Shri Dhananjay Dwivedi, IAS has suggested many updates in the application for the smooth implementation in the state.
- MedLeapr Project had been live from 25/08/2025 and majority of the government doctors has started to upload MLC/PR cases online.
- More than 1100 Medical Doctors and Para medical staff have been trained in three different training sessions over Video Conference.

# SIO Gujarat Participation as a Panel Member in National Mobility Awards and Summit 2025

The Gujarat State Road Transport Corporation (GSRTC) hosted the National Mobility Awards and Summit 2025 at GIFT City, Gandhinagar, under the theme

**“Accelerating Future Mobility: Green, Integrated and Digitally Driven”**

The purpose of this was to make India's transport sector more efficient, inclusive, and climate-resilient. The summit showcased Gujarat’s role as a pioneer in sustainable, citizen-focused public transport in India. Summit was participated by 12 States.

Shri R C Meena, Principal Secretary of Ports & Transport, Government of Gujarat inaugurated the National Mobility Summit 2025. The event featured panel discussions, presentations, and sessions focused on EV infrastructure, AI based Fleet Management, Digital Ticketing, and Road Safety etc.

There was a panel discussion on Road Safety - Safer Drivers, Safer Roads: Embedding a Safety Culture with Shri Ravi Teja Vasamsetty, IPS, Superintendent of Police, Gandhinagar, Shri Satish Patel, IAS (Retd), Commissioner, Gujarat Road Safety Authority and Shri Pramod Kumar Singh, DDG & SIO, NIC as members.

SIO Sh P. K Singh explained the IT initiatives by NIC / Govt. of India. He briefly discussed on eChallan & iRAD/eDAR Project of MoRTH, GOI. He explained various aspects and how these IT initiatives playing important role on road safety. Sh. Himanshu P Mehta, Scientist-E, Sh. M.P. Anand Kumar, Scientist-E & Sh. Neeraj Nama, Scientist-C were also present on the occasion.

## Chief Secretary of the Government of Gujarat

# Shri Pankaj Joshi [ IAS ]

**Congratulated NICSI on its 30th anniversary through letter**

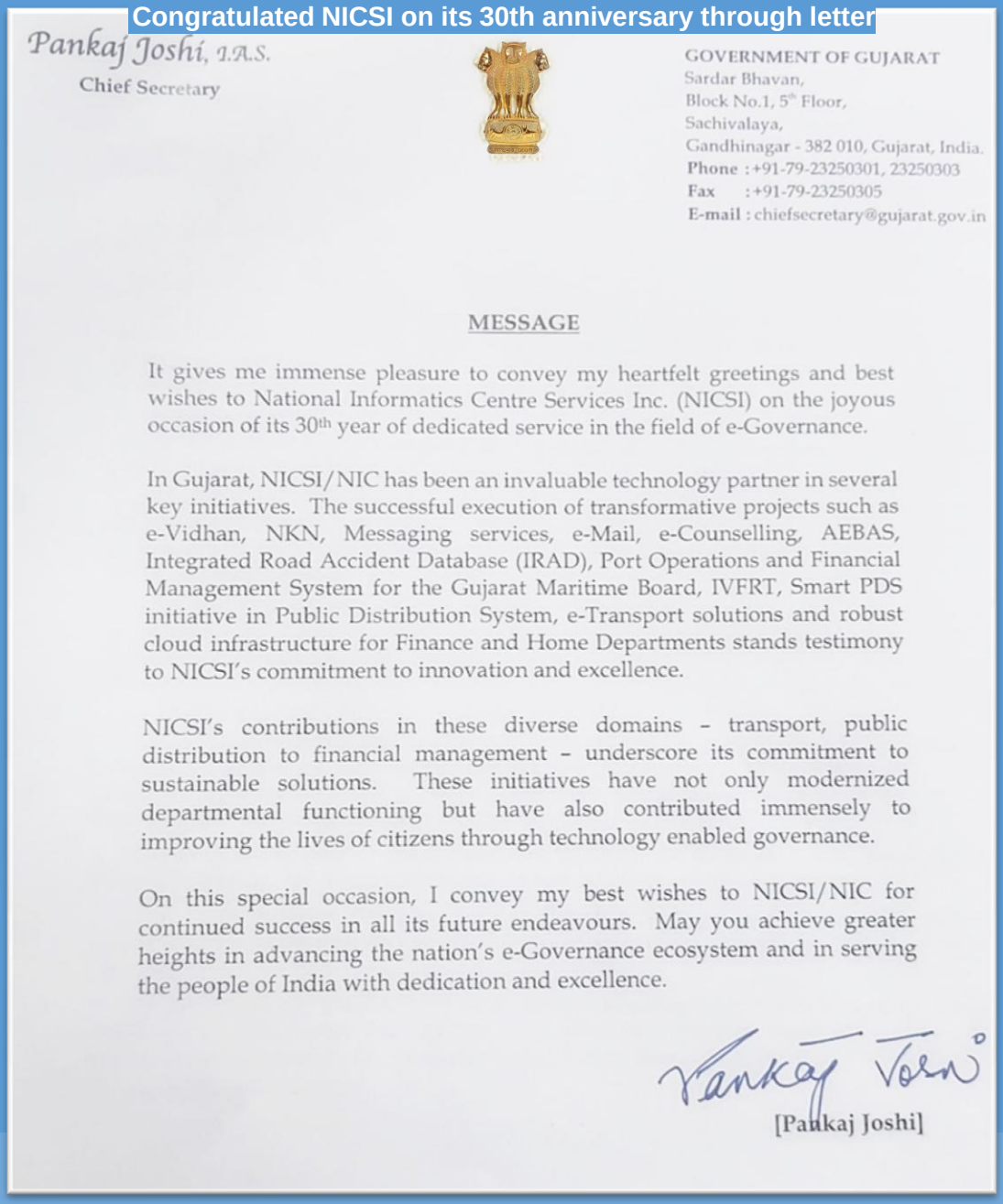

Pankaj Joshi, I.A.S.
Chief Secretary

GOVERNMENT OF GUJARAT
Sardar Bhavan,
Block No.1, 5th Floor,
Sachivalaya,
Gandhinagar - 382 010, Gujarat, India.
Phone : +91-79-23250301, 23250303
Fax : +91-79-23250305
E-mail : chiefsecretary@gujarat.gov.in

MESSAGE

It gives me immense pleasure to convey my heartfelt greetings and best wishes to National Informatics Centre Services Inc. (NICSI) on the joyous occasion of its 30th year of dedicated service in the field of e-Governance.

In Gujarat, NICSI/NIC has been an invaluable technology partner in several key initiatives. The successful execution of transformative projects such as e-Vidhan, NKN, Messaging services, e-Mail, e-Counselling, AEBAS, Integrated Road Accident Database (IRAD), Port Operations and Financial Management System for the Gujarat Maritime Board, IVFRT, Smart PDS initiative in Public Distribution System, e-Transport solutions and robust cloud infrastructure for Finance and Home Departments stands testimony to NICSI's commitment to innovation and excellence.

NICSI's contributions in these diverse domains – transport, public distribution to financial management – underscore its commitment to sustainable solutions. These initiatives have not only modernized departmental functioning but have also contributed immensely to improving the lives of citizens through technology enabled governance.

On this special occasion, I convey my best wishes to NICSI/NIC for continued success in all its future endeavours. May you achieve greater heights in advancing the nation's e-Governance ecosystem and in serving the people of India with dedication and excellence.

[Pankaj Joshi]

- He lauded NICSI's and NIC's crucial role as a technology partner in the state's e-Governance initiatives.
- The letter specifically highlighted key projects, including e-Vidhan, the Smart PDS, and the Integrated Road Accident Database (IRAD).
- The Chief Secretary's message emphasized that these projects have not only modernized government functions but have also significantly improved the lives of citizens.

# Sabarmati Riverfront
# Ahmedabad

# साबरमती रिवरफ्रंट
# अहमदाबाद



Ahmedabad's "River Front" is an embankment and developed area along the Sabarmati River in the city of Ahmedabad, Gujarat, known as the Sabarmati Riverfront. It provides a two-tiered promenade on both banks of the river, with a variety of amenities, parks and recreational spaces for pedestrians, cyclists and tourists.

The project aims to revive the river, enhance the aesthetics of the city, promote tourism and prevent natural disasters such as floods.

# E-MAHITI

An e-GOVERNANCE MAGZINE FROM NATIONAL INFORMATICS CENTRE, GUJARAT

July-Sep 2025

Vibrant GUJARAT 10-12 Jan 2024
Gateway to the Future | 10th Global Summit

mygov मेरी सरकार

G20 भारत 2023 INDIA

Digital India Power To Empower

## Atal Bridge - Ahmedabad

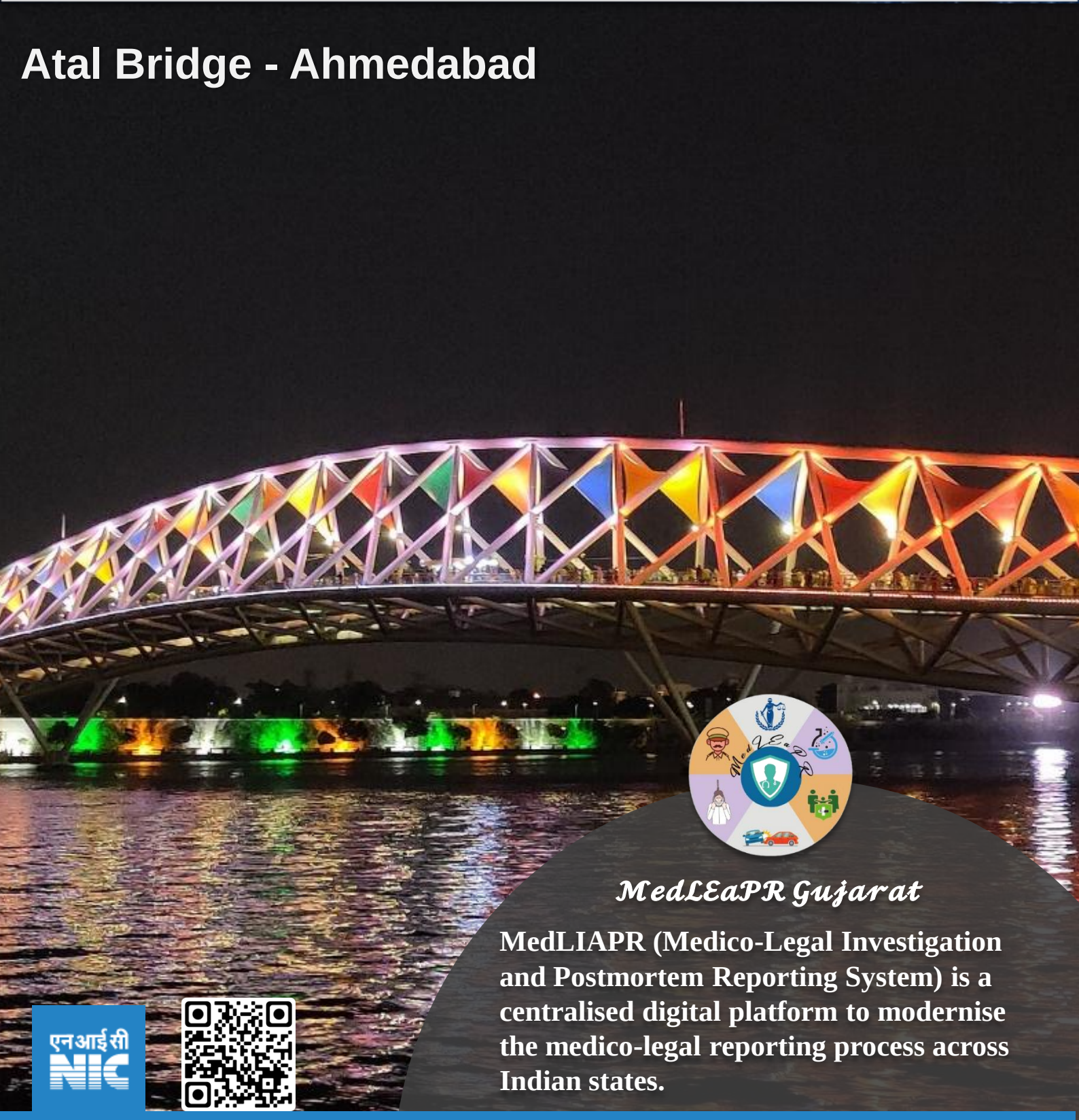

### MedLEaPR Gujarat

**MedLIAPR (Medico-Legal Investigation and Postmortem Reporting System) is a centralised digital platform to modernise the medico-legal reporting process across Indian states.**

एनआईसी NIC